P-275

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-501

हिन्दी साहित्य का इतिहास और आदिकालीन कविता (भाग एक)

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

1st Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. हिंदी साहित्येतिहास की प्रमुख समस्याओं को रेखांकित कीजिए।

2. हिंदी साहित्येतिहास की नामकरण की समस्या पर विस्तार से विचार कीजिए।

3. इतिहास-लेखन क्या है? इतिहास लेखन की पाश्चात्य एवं भारतीय पद्धति पर टिप्पणी लिखिए।

4. हिंदी साहित्य के आदिकाल का परिचय देते हुए 'आदिकाल' की सार्थकता, पर विचार कीजिए।

5. हिंदी साहित्येतिहास की दृष्टि से आधुनिक काल का विस्तृत परिचय दीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. इतिहास क्या है? साहित्य का इतिहास क्यों आवश्यक है?

2. भक्तिकाल के नामकरण पर विचार कीजिए।

3. रीतिकाल के नामकरण के औचित्य पर विचार कीजिए।

4. हिंदी साहित्येतिहास का काल-विभाजन कीजिए।

5. मिश्रबंधु द्वारा प्रतिपादित काल-विभाजन को स्पष्ट कीजिए।

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रतिपादित वीरगाथा काल के औचित्य पर विचार कीजिए।

7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रस्तावित काल-विभाजन का परिचय दीजिए।

8. तीन हिन्दी साहित्येतिहास लेखकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।